Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to increase the Minimum Support Price of Chana (Gram), Massoor, Wheat etc.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं देश के प्रधान मंत्री जी और हमारी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने देश के किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का काम किया है । यह लगभग वे हर वर्ष कर रहे हैं । सरकार बधाई और धन्यवाद की पात्र है । इसी के साथ जनता का विषय है कि जैसे मेरे संसदीय क्षेत्र मध्य प्रदेश में होशंगाद-नरसिंहपुर-रायसेन है, ये चना, मसूर और धान के बड़े उत्पादक जिले हैं । लेकिन हम लगातार देख रहे हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे अनाज के दाम मंडियों में जा रहे हैं । सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी का काम कर रही है, लेकिन मुझे लगता है कि सरकारें हर किसान का माल खरीद लें यह इस देश में संभव नहीं है । हमें कोई न कोई ऐसा मैकेनिज्म तय करना पड़ेगा कि जो न्यूनतम समर्थन मूल्य है, उससे नीचे अनाज मंडियों में न बिके । मुझे लगता है कि इसमें सबसे ज्यादा अगर व्यवधान कहीं पर आता है तो विदेशों से जो माल आयात होता है और विदेशों की सरकारों से जो ट्रीटीज़ हैं, उनके तहत हमें माल आयात करना पड़ता है । मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जो आयात शुल्क है, उसको इस लैवल पर ले जा कर रखा जाए कि जो बाहर से माल आता है, वह कम से कम हमारे न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे न बिक सके । हर हाल में हमारे देश में अनाज जैसे चना, मसूर, मटर, गेहूं धान आदि न्यूनतम समर्थन मूल्य के ऊपर ही बिके, सरकार की यह चिंता होनी चाहिए, मंडियों में ये दाम किसानों को मिले । आपके माध्यम से भारत सरकार से मैं यह मांग करता हूँ ।